University in News on 31 July 2025

HT PAGE 3

LU WORKSHOP HIGHLIGHTS ETHICS AND AI IN SCIENTIFIC PUBLISHING

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW : A one-day author workshop on 'Latest Developments in the Scientific Publishing Landscape, Publishing Ethics, and Sustainable Development & AI' was organised by Tagore Library, Lucknow University, on Wednesday.

The event focused on best practices in academic publishing, journal selection, and the ethical use of Artificial Intelligence in research.

Aishwarya Nayal, Customer Success Manager – South Asia at Elsevier, delivered the keynote address. She spoke on topics including choosing the right journal, understanding peer review, identifying predatory publishers, and enhancing research visibility using platforms like ScienceDirect and Scopus. Nayal also shared that Lucknow University recorded a 781.3% increase in downloads from Elsevier's platform—jumping from around 2,900 to over 25,600.

TOI PAGE 2

LU researchers to get access to ScienceDirect AI

Times News Network

Lucknow: In a boost to research innovation, research scholars at Lucknow University will now have access to ScienceDirect AI, Elsevier's advanced artificial intelligence platform that is transforming academic discovery and publishing.

The announcement was made during a one day Author Workshop organized by Tagore library in collaboration with Elsevier on Wednesday.

"This access will be a game-changer for our research community, ScienceDirect AI does not just provide content, it intelligently guides scholars through the ever-expanding landscape of information," said, honorary librarian Prof Keya Pandey.

"The integration of ScienceDirect AI with our digital infrastructure marks a transformative moment for research at Lucknow University, it empowers our scholars with intelligent tools and global access, ensuring that ethical, high-quality research thrives in every discipline," said officiating vice chancellor, Prof Manuka Khanna.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

बीएससी बायो व मैथ्स की आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लविवि में बीएससी बायोलॉजी और बीएससी मैथ्स की सीटों के लिए पहली आवंटन सूची बुधवार को जारी कर दी गई। प्रवेश समन्वयक ने बताया कि विद्यार्थी एक अगस्त तक फीस जरूर जमा कर दें। (माई सिटी रिपोर्टर)

योग संकाय में पहले सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू

लखनऊ। लविवि के द्वितीय परिसर में योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय में कक्षाएं शुरू हो गईं। बीए, बीएससी (योग) की प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी छात्रों व शिक्षकों के बीच परिचय सत्र चला। इसके बाद कक्षाएं लगीं। (माई सिटी रिपोर्टर)

शोध के क्षेत्र में सही जर्नल का चयन जरूरी

लखनऊ। लविवि की टैगोर लाइब्रेरी की ओर से एपी सेन सभागार में शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए वैज्ञानिक प्रकाशन और प्रकाशन की नैतिकता पर कार्यशाला की गई। इसमें शोध कार्यों के लिए एआई के सदुपयोग और सही जर्नल चुनने पर भी चर्चा हुई। अध्यक्षता कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की। मुख्य अतिथि आईआईएम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक कुमार राय ऑनलाइन जुड़े। लाइब्रेरी की मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. केया पांडेय ने शैक्षणिक पुस्तकालयों की बदलती भूमिका पर चर्चा की। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

'विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों को दोबारा ज्ञान केंद्र बनाएं'

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी ने एल्सेवियर के सहयोग से वैज्ञानिक प्रकाशन परिदृश्य में नवीनतम विकास, प्रकाशन नैतिकता, और एसडी एआइ विषय पर एक दिवसीय लेखक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आइआइएम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक कुमार राय ने वुर्चअल माध्यम से प्रतिभाग किया। उन्होंने एआइ और वैश्विक सहयोग के युग में विश्वविद्यालय पुस्तकालयों को ज्ञान केंद्र के रूप में पुनः परिकल्पित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। लविवि

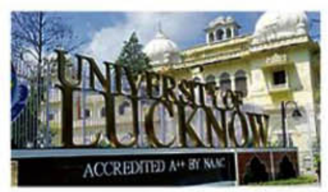

की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने उत्तरदायी तथा प्रभावशाली शोध को समर्थन देने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराया। टैगोर लाइब्रेरी की मानद पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. केया पांडेय ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर टैगोर लाइब्रेरी की वार्षिक रिपोर्ट 2024–2025 का विमोचन किया गया।

i-NEXT PAGE 5

लाइब्रेरी की वार्षिक रिपोर्ट का हुआ विमोचन

एलयू की टैगोर लाइब्रेरी ने एल्सेवियर के सहयोग से वैज्ञानिक प्रकाशन परिदृश्य में नवीनतम विकास, प्रकाशन नैतिकता, और एसडी एआइ विषय पर लेखक कार्यशाला का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि आइआइआइएम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक कुमार राय ने वुर्चअल माध्यम से प्रतिभाग किया. उन्होंने एआइ और वैश्विक सहयोग के युग में विश्वविद्यालय पुस्तकालयों को ज्ञान केंद्र के रूप में पुन: परिकल्पित करने की आवश्यकता पर जोर दिया. वीसी प्रो. मनुका खन्ना ने उत्तरदायी तथा प्रभावशाली शोध को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को दोहराया. इस अवसर पर टैगोर लाइब्रेरी की वार्षिक रिपोर्ट 2024–2025 का विमोचन किया गया.

सामाजिक परिवेश से जुड़े हों शोध विषय

शोधार्थी ऐसे शोध विषयों का चयन करें जो उनके सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश से जुड़े हों. सार्थक शोध वही है जो अपने समुदाय की धरती से उगता है और वहीं की सच्चाइयों को स्वर देता है. शोध विषय का चयन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक दार्शनिक क्रिया है. यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. आरपी सिंह ने बुधवार को अंग्रेजी और विदेशी भाषाएं विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय परिसर, लखनऊ की ओर से बुधवार को आयोजित दो दिवसीय युवा शोधार्थी सम्मेनल को मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित कर रहे थे.